# जीवित्पुत्रिका व्रत आरती

## ( जितिया व्रत की आरती )

https://pdffile.co.in/

ओम जय कश्यप नन्दन, प्रभु जय अदिति नन्दन।
त्रिभुवन तिमिर निकंदन, भक्त हृदय चन्दन॥

ओम जय कश्यप...

सप्त अश्वरथ राजित, एक चक्रधारी।
दु:खहारी, सुखकारी, मानस मलहारी॥

ओम जय कश्यप...

सुर मुनि भूसुर वन्दित, विमल विभवशाली।
अघ-दल-दलन दिवाकर, दिव्य किरण माली॥

ओम जय कश्यप...

सकल सुकर्म प्रसविता, सविता शुभकारी।
विश्व विलोचन मोचन, भव-बंधन भारी॥

ओम जय कश्यप...

https://pdffile.co.in/

कमल समूह विकासक, नाशक त्रय तापा।
सेवत सहज हरत अति, मनसिज संतापा॥

ओम जय कश्यप...

नेत्र व्याधि हर सुरवर, भू-पीड़ा हारी।
वृष्टि विमोचन संतत, परहित व्रतधारी॥

ओम जय कश्यप...

सूर्यदेव करुणाकर, अब करुणा कीजै।
हर अज्ञान मोह सब, तत्वज्ञान दीजै॥

ओम जय कश्यप...

https://pdffile.co.in/

**PDF Created by -**
**https://pdffile.co.in/**

https://pdffile.co.in/